वीयू–जनजातीय ज्ञान प्रणालियों एवं पशुपालन पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर में दिनांक 4 फरवरी 2026 को एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, यह कार्यशाला सतत् विकास के लिए पशुधन प्रबंधन में जनजातीय ज्ञान प्रणालियां विषय पर जनजातीय अनुसंधान एवं विकास केंद्र ना. दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर एवं जनजातीय अनुसंधान एवं ज्ञान केंद्र नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित की गई, जो आई.सी.ए.आर. ट्राइबल सब प्लान नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित है, यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के माननीय कुलगुरु प्रो. मनदीप शर्मा जी के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. राजेश कुमार वर्मा कुलगुरु रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर उपस्थित रहे, कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. सुनील नायक एवं आयोजन सचिव डॉ. सुदीप्ता घोष के साथ ही विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. एस.एस. तोमर, डी.आर.एस., डी. आई. सहित पदाधिकारीगण उपस्थित रहे, कार्यशाला का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया, एवं सभी अतिथियों को शाल, पुष्प एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया, कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय कुलगुरु प्रो. मनदीप शर्मा ने कहा कि हमारे जनजातीय बंधु पशुपालन एवं प्रकृति प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में कुशलता से कार्य करते हैं, वैदिक काल से ही हमारे पूर्वज एवं कृषक बंधु औषधि विज्ञान के बारे में अच्छा ज्ञान रखते थे जिससे समय रहते ही वह अपने समीप स्थित रोगग्रस्त पशुओं का यथा संभव उपचार कर लेते थे, साथ मौसम अनुसार प्रबंधन की विधियों का भी उपयोग करते हैं, आज वर्तमान परिदृश्य में हम शोधार्थियों के सहयोग से ऐसे ही विषयों पर प्रयोग भी कर रहे हैं, ताकि भारतीय ज्ञान परंपरा के क्रम को विकसित एवं विस्तृत किया जा सके, हमारा विश्वविद्यालय भी ऐसे ही उत्कृष्ठ लक्ष्य के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि नवीन प्रबंधन तकनीकी जैसे विषयों की जानकारी हमारे जनजातीय बंधुओं तक पहुंचाई जा सके एवं इसके साथ ही उनके समाजिक, आर्थिक एवं शैक्षाणिक स्तर को और अधिक सशक्त बनाया जा सके,हमारा विश्वविद्यालय लगातार इसी दिशा में अग्रसर है, जिसके अन्तर्गत हम लगातार जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों एवं गांवों में ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं पशु स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन लगातार कर रहे हैं, मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. राजेश कुमार वर्मा जी ने कहा की हमें भारतीय ज्ञान परंपरा एवं विज्ञान विकास के क्रम को सुनियोजित ढंग से एकल रूप देते हुए संयुक्त प्रयास करना चाहिए, उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज के सभी

लोग पशुपालन जैसे क्षेत्रों में विशेष रूप से अग्रणी है साथ ही जनजाति समुदायों को प्रकृति के साथ सामंजस्य का अच्छा अनुभव है, सरकार इस दिशा में लगातार प्रयासरत है कि हमारे जनजातीय क्षेत्रों का उत्थान तेजी से किया जा सके एवं इनके स्तर को ऊपर उठाया जा सके, कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष डॉ सुनील नायक जी ने आदिवासी समुदाय के संबंध में विश्वविद्यालय की गतिविधियों के विषय पर पी.पी.टी. माध्यम से जानकारी साझा की, कार्यक्रम में प्रदेश भर के विभिन्न जिलों से उपस्थित प्रगतिशील किसानों को मंचासीन अतिथियों द्वारा शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया, यह कार्यक्रम 5 तकनीकी सत्रों में संपन्न हुआ, कार्यक्रम में लगभग 75 पशुपालक एवं 60 छात्र छात्राएं सम्मिलित हुए, कार्यक्रम 5 तकनीकी सत्र में संपन्न हुआ तकनीकी सत्र में पधारे विषय विशेषज्ञ, डॉ. प्रियसी दत्त को–ऑर्डिनेटर ट्राईबल रिसर्च एंड नॉलेज सेंटर न्यू दिल्ली तथा श्री राजाराम कटरा समाजसेवी ने अपने विचार प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान साझा किया, जिसमें उन्होंने जनजाति समुदाय के अध्यात्म अस्तित्व, इतिहास एवं परंपरा के जानने पर प्रकाश डाला, डॉ. प्रियशी दत्ता द्वारा जनजातीय समुदाय के वास्तविक छवि पर चर्चा की डॉ. सुनील नायक निदेशक प्रसार शिक्षा NDVSU द्वारा सभी तकनीकों सत्रों का सारांश प्रस्तुत किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र दिए गए।

कार्यक्रम मैं उत्कृस्ट पशुपालकों श्रीमती दीपा सैयाम, श्रीमती सावनी कुलस्ते, श्रीमती चंद्रकली मरकाम, श्री विजेंद्र अम्लियस, श्री कामेश डामोर जी का आतिथ्यों द्वारा सम्मान किया गया।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पदाधिकारीगण, डॉ. एस.एस. तोमर, डॉ. मधु स्वामी, डॉ. सुनील नायक, डॉ. जी.पी. लखानी, डॉ. एस.के. महाजन, डॉ. बी. राय, डॉ. एस.एस. कारमोरे, डॉ. शशिप्रधान, डॉ. आर.पी. सिंह, डॉ. माधुरी शर्मा, डॉ. प्रीति मिश्रा, डॉ. अक्षय गर्ग, सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. सोना दुबे आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम डॉ. सुदिप्ता घोष, सह संयोजक डॉ. रुचि सिंह, डॉ. लक्ष्मी चौहान तथा विभिन्न कार्यों हेतु गठित समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा, मंच संचालन डॉ. पूनम शाक्य एवं आभार प्रदर्शन डॉ. रुचि सिंह द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर